वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रकाशित

**मंगलवार**, पौष **शुक्ल** पक्ष, **षष्ठी**, कलियुग वर्ष ५१२२ (१९ जनवरी, २०२१)

# वैदिक उपासना

राष्ट्र एवं धर्मके पुनरूत्थान हेतु समर्पित ऑनलाईन दैनिक वृत्त पत्र

धर्माचरण हेतु कष्ट उठाना, राष्ट्र हेतु समय देना एवं साधना हेतु त्याग करना, यह सनातन उपासना है।

e-mail : upasanawsp@gmail.com, website : www.vedicupasanapeeth.org.

## कलका पंचांग

जयतु जयतु हिन्दुराष्ट्रं

२० जनवरी २०२१ का वैदिक पंचांग

कलियुग वर्ष – ५१२२ / विक्रम संवत – २०७७ / शकवर्ष - १९४२.....कलके पंचांगके सम्बन्धमें और जानकारी हेतु इस लिंकपरजाएं.....https://vedicupasanapeeth.org/hn/kal-ka-panchang-20012021

## देव स्तुति

**अनेककोटिब्रह्माण्डनायकं जगदीश्वरम्।**
**अनन्तविभवं विष्णु मयूरेशं नमाम्यहम्॥**

**अर्थ :** जो अनेक कोटि ब्रह्माण्डके नायक, जगदीश्वर, अनन्त वैभव सम्पन्न तथा सर्वव्यापी विष्णुरूप हैं, उन मयूरेश गणेशको मैं प्रणाम करता हूं।

## शास्त्रवचन

**कृष्णकृष्णेति कृष्णेति नित्यं जाग्रत स्वपंश्च यः।**
**कीर्तयेत्तु कलौ चैव कृष्णरूपी भवेद्धि सः॥**

**अर्थ :** प्रह्लादजीने स्कन्दपुराणमें कहा है, "जो कलियुगमें प्रतिदिन जागते और सोते समय कृष्ण-कृष्ण, कृष्णका कीर्तन करता है, वह श्रीकृष्ण स्वरूप हो जाता है।"

**********

**अज्ञान तिमिरान्धस्य लोकस्य तु विचेष्टतः ।**
**ज्ञानाञ्जनशलाकाभिर्नेत्रोन्मीलनकारकम् ॥**
**धर्मार्थकाममोक्षार्थैः समासव्यासकीर्तनैः ।**
**तथा भारतसूर्येण नृणां विनिहतं तमः ॥**

**अर्थ :** उग्रश्रवाजी महाभारत ग्रन्थकी महिमाका वर्णन करते हुए कहते हैं, "संसारी जीव अज्ञानान्धकारसे अन्धे होकर छटपटा रहे हैं। यह महाभारत ज्ञानाञ्जनकी शलाका लगाकर उनकी आंख खोल देता है। वह शलाका क्या है ? धर्म, अर्थ, काम, और मोक्षरूप पुरुषार्थोंका संक्षेप और विस्तारसे वर्णन। यह न केवल अज्ञानकी रतौंधी दूर करता, अपितु सूर्यके समान उदित होकर मनुष्योंकी आंखके सामनेका सम्पूर्ण अन्धकार ही नष्ट कर देता है।

## धर्मधारा

### १. हिन्दू राष्ट्र क्यों आवश्यक है ? (भाग-१०)

हिन्दू बहुल देशमें आए दिन कहीं न कहीं साम्प्रदायिक उत्पात (दंगे) होते ही रहते हैं। यदि हम इन उत्पातोंपर ध्यान देंगे तो यह स्पष्ट रूपसे दिखाई देगा कि यह बहुसंख्यक हिन्दुओंद्वारा अल्पसंख्यकों पर आक्रमण नहीं होता; अपितु धर्मान्धोंद्वारा कोई न कोई मिथ्याहेतु (बहाना) बनाकर, किसी भी घटनाको हिंसाका रूप देकर आतंक फैलाना ही इनका मूल उद्देश्य होता है। वस्तुत: हिन्दुओंको भयभीत करना, उनके

मन्दिरोंकी प्रतिमाओं को (मूर्तियोंको) खण्डित करना या हिन्दुओं की शोभायात्राओंमें पथराव करना, उनकी स्त्रियोंके साथ छेडछाड करना जैसी घटनाएं सम्पूर्ण भारतमें होती ही रहती हैं और हिन्दू यदि प्रतिकार करे तो उसे साम्प्रदायिक उत्पातकी संज्ञा दे दी जाती है ! धर्मान्धोंकी मस्जिदें, इन उपद्रवोंके प्रशिक्षण केन्द्र हैं, अब तो यह बात मुसलमान बुद्धिजीवी भी खुलकर कहने लगे हैं !

जिस देशमें २% मत अधिक पानेके लिए नेतागण किसी भी प्रकारका धर्मद्रोह, राष्ट्रद्रोह करनेसे नहीं चूकते हैं, ऐसेमें अहिन्दुओंके तुष्टीकरणके आधारपर धर्मनिरपेक्ष सत्ता वर्षोंसे फली-फूली राजनीतिमें यह अपेक्षा करना कि आतंकका मूल (जड) मस्जिदोंको प्रतिबन्धित किया जाएगा, यह तो इस तथाकथित धर्मनिरपेक्ष व्यवस्थामें कभी सम्भव ही नहीं हो सकता है और यदि यह शीघ्र नहीं हुआ तो यह देश हिन्दुओंके लिए रहने योग्य नहीं रहेगा । इस हेतु हिन्दू राष्ट्रकी स्थापना शीघ्र करना ही एकमात्र पर्याय है !

**********

## २. चूक लिखना अर्थात ईश्वरके समक्ष आत्मनिवेदन करना

जो साधक अपनी चूक लिखते हैं, वे सम्पूर्ण दिवस दससे बारह चूकें लिखनेका प्रयास करें; क्योंकि आपकी चूकोंको पढकर ऐसा नहीं लगना चाहिए है कि आप मात्र चूक लिखने हेतु यह कृति कर रहे हैं अर्थात यह लिखना एक बन्धन है, ऐसा नहीं लगना चाहिए । एक सामान्य व्यक्ति दिन भरमें २०० चूकें करता है, ऐसेमें यदि आप एकसे अधिक वर्षोंसे चूक लिख रहे हैं और उनकी संख्या मात्र चार या पांच होती है तो आपकी अन्तर्मुखता मात्र १०% प्रतिशत है । आध्यात्मिक प्रगति हेतु

आपकी अन्तर्मुखता ५०% होना अनिवार्य है। अपने दोषोंको अल्पकर, दिव्य गुणोंको आत्मासात करने हेतु है, यह अति आवश्यक है, यह ध्यान रखें; इसलिए दिन भरमें जब-जब चूकें होती हैं, उन्हें एक छोटी अभ्यास-पुस्तिकामें अल्प शब्दोंमें लिखकर रखें ! चूक लिखना अर्थात ईश्वरके समक्ष आत्मनिवेदन करना है, इस भावसे लिखें ! आप जितना प्रामाणिक होकर चूक लिखेंगे, ईश्वर आपकी उतनी ही सहायता करेंगे !

**********

**३. व्यासपीठपर जूते पहनकर जाना व्यासपीठका अपमान है ! हिन्दुओ ! व्यासपीठपर पादत्राण (चप्पल या जूते) पहनकर न जाएं और न ही उसे पहनकर दीप प्रज्ज्वलन करें !**

आजकल अनेक लोग व्यासपीठपर अपने पादत्राण (चप्पल या जूते) पहनकर जाते हैं। कुछ लोग विशेषकर, मुख्य अतिथि दीप प्रज्ज्वलन करते समय भी पादत्राण पहने हुए रहते हैं। यह सब हिन्दुओंमें धर्मशिक्षण नहीं मिलनेका ही परिणाम है।

व्यासपीठ, ब्रह्मर्षि व्यासजीका प्रतीक पीठ है, इसका सम्मान करना सभी हिन्दुओंका धर्म है; अतः उसपर चढनेसे पूर्व जैसे आप मन्दिरकी सीढियोंको स्पर्शकर प्रणाम करते हैं, वैसे ही करना चाहिए और यदि किसीने अपने पादत्राण वहीं उतारें हों तो उन्हें नीचे हटाकर रख देना चाहिए। यदि कोई पादत्राण (चप्पल या जूते) पहनकर उसपर चढने जाए तो उन्हें हाथ जोडकर उसे उतारकर ऊपर जाने हेतु कहें, इस हेतु कार्यक्रमके आयोजक एक कार्यकर्ताको मंचके पास खडा करें ! वैसे यह सब बतानेकी बात नहीं है; किन्तु यह मैं अनेक बार

देख चुकी हूं; इसलिए मुझे बताना पड रहा है और मुझे तो यदि मंचसे बोलनेका समय दिया जाता है तो मैं इन चूकोंके विषयमें वहीं नम्रतापूर्वक बता देती हूं; क्योंकि यदि हम अपने हिन्दू भाई-बहनोंको उनकी चूकोंको नहीं बताएंगे तो कौन बताएगा ? और सब जानते हुए यह देखना व कुछ न बोलना, यह एक पापकर्म है, इस बातका सदैव ध्यान रखें ! हिन्दुत्ववादी संगठनोंको भी इस बातका विशेष ध्यान देना चाहिए; क्योंकि उनसे यह चूक बार-बार होती है।

दीप जलाना धार्मिक कृति है; अतः इस समय अपने पादत्राण अवश्य ही उतार देने चाहिए, उस समय मोजे भी नहीं पहनने चाहिए; क्योंकि उसे भी चर्मसे बने पदत्राणका (चप्पल या जूते) स्पर्श होकर वह भी तमसे आवेशित हो जाता है; किन्तु यदि मोजे उतारना सम्भव न हों तो 'कमसे कम' अपने पादत्राण (चप्पल या जूते) अवश्य उतार दें !

**– (पू.) तनुजा ठाकुर, सम्पादक**

## प्रेरक प्रसंग

### मधुर स्वभाव

एक बारकी बात है कि एक समृद्ध व्यापारी, जो सदैव अपने गुरुसे परामर्श करके कुछ न कुछ सुकर्म किया करता था, गुरुसे बोला, "गुरुदेव, धनार्जन हेतु मैं अपना गांव पीछे अवश्य छोड आया हूं; परन्तु हर समय मुझे लगता रहता है कि वहांपर एक ऐसा देवालय बनाया जाए, जिसमें देवपूजनके साथ-साथ भोजनकी भी व्यवस्था हो, अच्छे संस्कारोंसे लोगोंको सुसंस्कृत किया जाए, अशरणको शरण मिले, वस्त्रहीनका तन ढके, रोगियोंको औषधि और चिकित्सा मिले,

बच्चे अपने धर्मके वास्तविक स्वरूपसे अवगत हो सकें ।" सुनते ही गुरु प्रसन्नतापूर्वक बोले, "केवल गांवमें ही क्यों, तुम ऐसा ही एक मन्दिर अपने इस नगरमें भी बनवाओ ।" व्यापारीको परामर्श रुचिकर लगा और उसने दो मन्दिर, एक अपने गांव और दूसरा अपने नगरमें, जहां वह अपने परिवारके साथ रहता था, बनवा दिए । दोनों देवालय शीघ्र ही लोगोंकी श्रद्धाके केन्द्र बन गए; परन्तु कुछ दिवस ही बीते थे कि व्यापारीने देखा कि नगरके लोग गांवके मन्दिरमें आने लगे हैं, जबकि वहां पहुंचनेका मार्ग बहुत कठिन है । उसकी समझमें नहीं आ रहा था कि ऐसा क्यों हो रहा है ?

कुछ भारी मनसे वह गुरुजीके पास गया और सारा वृत्तान्त कह सुनाया । गुरुजीने कुछ विचार किया और उसे यह परामर्श दिया कि वह गांवके मन्दिरके पुजारीको नगरके मन्दिरमें सेवाके लिए बुला ले ! उसने ऐसा ही किया । नगरके पुजारीको गांव और गांवके पुजारीको नगरमें सेवापर नियुक्त कर दिया गया । कुछ ही दिन बीते थे कि वह यह देखकर स्तब्ध रह गया कि अब गांवके लोग नगरके मन्दिरकी ओर आने लगे हैं । अब तो उसे आश्चर्यके साथ-साथ उद्विग्नता भी अनुभव होने लगी । बिना एक क्षणका विलम्ब किए वह गुरुजीके पास जाकर हाथ जोडकर, कहने लगा, "आपकी आज्ञानुसार मैंने दोनों पुजारियोंका स्थानान्तरण किया; परन्तु समस्या तो पहलेसे भी गम्भीर हो चली है कि अब तो मेरे गांवके परिचित और परिजन, कष्ट सहकर नगर आने लगे हैं ।

गुरुजीको समझते देर नहीं लगी । उन्होंने कहा, "कुछ नहीं, बस ये गांवके पुजारीका स्वभाव है कि लोग उसकी और खींचे चले आते हैं । वह लोगोंके दुःखमें दुखी होता है, उनकी हर सम्भव सहायता करनेका प्रयास करता है, लोगोंसे मीठे

वचन बोलता है । ये उसका स्वभाव ही है जो लोगोंको आकर्षित करता है। अब व्यापारीको सारी बात समझ आ चुकी थी।

## घरका वैद्य

**जायफल (भाग-३)**

**५. नींद न आना :**

* गायके घीमें जायफल घिसकर पांवके तलुवों और आंखोंकी पलकोंपर लगाएं, इससे नींद अच्छी आएगी।

* जायफलको जल या घीमें घिसकर पलकोंपर लेप करनेसे नींद शीघ्र आ जाती है।

**६. 'सर्दी' व 'जुकाम' :**

* जायफलको जलमें घिसकर लेप बना लें ! इस लेपको नाक पर, नथुनोंपर और छातीपर मलनेसे शीघ्र लाभ मिलेगा। साथ ही जायफलका चूर्ण सोंठके चूर्णके समान मात्रामें मिलाकर एक चौथाई चम्मच २ बार खिलाएं ! इससे 'सर्दी' और 'जुकाम'का रोग दूर हो जाता है।

* जायफल पिसा हुआ एक चुटकीकी मात्रामें लेकर दूधमें मिलाकर देनेसे 'सर्दी'का प्रभाव ठीक हो जाता है। इसे 'सर्दी'में सेवन करनेसे 'सर्दी' नहीं लगती है।

**७. मुंहासे :** कच्चे दूधमें जायफल घिसकर प्रतिदिन सवेरे और रात्रिमें पूरे मुखपर लगाएं ! इससे मुंहासेंके अतिरिक्त मुखके काले धब्बे भी दूर होंगे और मुखपर निखार आएगा।

**८. अम्लता (गैस), मलबद्धताका (कब्जका) कष्ट :**

नींबूके रसमें जायफल घिसकर २ चम्मचकी मात्रामें प्रातः-सन्ध्या भोजन के पश्चात सेवन करनेसे अम्लता और

मलबद्धताके कष्टका निवारण होता है।

## उत्तिष्ठ कौन्तेय

**लडकियोंके भ्रमणभाष क्रमांक चुराकर उन्हें अश्लील 'वीडियो' भेजता था मिस्त्री तस्लीम, उत्तर प्रदेश पुलिसने बनाया बन्दी**

उत्तर प्रदेशके पीलीभीतमें पुलिसने मोहम्मद तस्लीम नामक 'टीवी मैकेनिक'को बन्दी बनाया है। तस्लीमपर आरोप है कि वह व्हाट्सएप्प गुटमें लडकियोंके अश्लील 'वीडियो' और चित्र भेजता था!

मिस्त्री तस्लीम 'फेसबुक' और 'व्हाट्सएप्प' गुटसे लडकियोंके भ्रमणभाष क्रमांक चुराता था, इसके पश्चात अश्लील चित्र और 'वीडियो' भेजता था। पुलिसने मोहम्मद तस्लीमके पास छद्म प्रमाणपत्र और 'सिम कार्ड' भी अधिग्रहित किए हैं।

इसके अतिरिक्त आरोपी तस्लीमपर 'आईपीसी'की कई गम्भीर धाराओंके अन्तर्गत प्रकरण भी प्रविष्ट कर लिया गया है।

**जिहादीकी मानसिकता कभी परिवर्तित नहीं सकती, वह अपराध और जिहाद करनेके लिए नूतन ढंग ढूंढता रहता है और धर्महीन हिन्दुओंकी कथित धर्मनिरपेक्ष युवापीढी, जो कि मैकालेकी शिक्षा पद्धतिद्वारा शिक्षित है, उनका लक्ष्य बनती रहती है। आजके समयकी आवश्यकता है कि हिन्दू अपने बच्चोंको भारतीय संस्कृतिके अनुसार संस्कार दें और सजग रहें कि वे 'सोशल मीडिया' का प्रयोग अधिक न करें! यदि आजके**

**अभिभावक समय रहते नहीं सम्भले, तो ईश्वर उन्हे कभी क्षमा नहीं करेंगे ! (१८.०१.२०२१)**

**********

**बांग्लादेशसे भागकर देहलीमें आवास बना रहे रोहिंग्या**

सुरक्षा विभागने गणतन्त्र दिवसको देखते हुए घुसपैठियोंके विरुद्ध बडा अभियान छेडा है। इसके अन्तर्गत देहलीमें छुपकर रह रहे रोहिंग्या घुसपैठियोंके विरुद्ध पुलिसने बडी कार्यवाई की है।

आनंद विहार रेलवे स्टेशनके बाहर रविवार, १७ जनवरीको ६ संदिग्ध रोहिंग्याको बन्दी बनाया गया है। पुलिसने बताया कि उनके विरुद्ध पटपडगंज औद्योगिक क्षेत्र थानेमें प्राथमिकी प्रविष्ट की गई है। ये रेलयानसे ६ जनवरीको देहली पहुंचे थे। इन सभीको लामपुर 'डिटेंशन सेंटर' भेज दिया गया है।

इन रोहिंग्या शरणार्थियोंको पुनः भेजनेके लिए 'FRRO' को जानकारी दे दी गई है। पुलिसके अनुसार, ये सभी रेलयानकेद्वारा त्रिपुरासे देहली आए थे। इनके पास भारतीय होनेका कोई अभिज्ञानपत्र नहीं था।

**धर्मनिरपेक्षताकी चादर ओढकर अपना 'उल्लू सीधा' करनेवाली कांग्रेस, वामपन्थी दलों एवं असाक्षर बुद्धिजीवियोंके कारण जिहादियोंके लिए भारत एक सुरक्षित शरण्स्थली बनी हुई है। एक ओर देश विनाशकी ओर जा रहा है, वहीं शासकगण और पुलिस १०-५ रोहिंग्याको पकडकर प्रसन्न होना चाहते हैं ! इससे अधिक तो देहलीके नागरिक ही बता सकते होंगे कि रोहिंग्याओंकी 'बस्तियां' कहां है ? शासकगण जाग जाएं, इससे पूर्व यह देश समाप्त**

**हो ! (१८.०१.२०२१)**

**********

**जर्मन विमानतलपर (हवाईअड्डेपर) जिहादीके मारनेके उद्घोषके पश्चात अस्तव्यस्तता**

जर्मनीके फ्रैंकफर्ट विमानतलपर एक विचित्र प्रकरण सामने आया है, जहां 'मास्क" न पहननेके कारण टोके जानेपर ३८ वर्षीय एक व्यक्तिने 'अल्लाह-हू-अकबर'का 'नारा' लगाते हुए लोगोंको मारनेकी धमकी दी। पुलिसने उसे पकडना चाहा, तो वह अपनी सामग्री छोडकर भागने लगा । इसके पश्चात पुलिसने सावधानीके रूपमें विमानतलको बन्द कर दिया।

मीडिया ब्यौरेके अनुसार, स्लोवेनियाका रहनेवाला व्यक्ति फ्रैंकफर्ट अन्तरराष्ट्रीय विमानतलपर उस समय आक्रामक हो गया, जब पुलिसने उसे 'मास्क' नहीं पहननेपर टोका। सुरक्षा कारणोंसे पुलिसद्वारा टोके जानेपर वह 'अल्लाह-हू-अकबर' चिल्लाने लगा। उसने पुलिसकर्मीको धमकाते हुए कहा, "मैं सभीको मार दूंगा, अल्लाह-हू-अकबर ।" अल्लाह-हू-अकबर कहते हुए आरोपीने अपना 'सामान' छोडा और घटनास्थलसे भागनेका प्रयास किया।

**जिहादी मात्र भारतमें ही नहीं, अन्य देशोंमें भी अपने कुकर्म करते हैं, जिससे सभीको कठिनाई होती है । यदि उन्हें कोई कुछ कह दें, तो वे सहन करनेके स्थानपर मारपीट करना आरम्भ हो जाते हैं; परन्तु धर्मनिरपेक्षताका भूत अब विश्वके सभी देशोंके सिरसे उतर रहा है और विकसित देश जर्मनी भी शीघ्र ही सीख लेगा।**

**किसान आन्दोलनमें देश तोडनेवाले जिहादी और खालिस्तानी ले रहे बढ-चढकर भाग**

राष्ट्रीय जांच कार्यालय संस्थाने खालिस्तानी किसान नेता बलदेव सिंह सिरसाको उपस्थित होनेके लिए 'समन' भेजा है। बलदेव सिंहने नहीं पहुंच पानेका 'बहाना' बनाया है। बलदेव सिंह किसान आन्दोलनको भडकानेका दुष्कार्य कर रहा है। किसान आन्दोलनके समर्थन हेतु अमेरिकामें रह रहे खालिस्तानी आतङ्की गुरप्रीत सिंह पन्नूने इस आन्दोलनके लिए वित्तीय सहायता देनेकी घोषणा भी की है।

एक अन्य समाचारके अनुसार, मुम्बईमें भी अनेक 'सीएए' विरोधी मुसलमानोंने 'आजाद मैदान'में सम्मिलित होकर, इस आन्दोलनके समर्थनमें प्रदर्शन किए; किन्तु वहांपर केवल 'आजादी' के उद्घोष किए जाते रहे। 'सोशल मीडिया'पर लोगोंने लिखा कि उक्त उद्घोषोंमें, किसानोंके लिए बनाए विधानके स्थानपर 'आजादी चाहिए'के लिए ही मुसलमान चिल्लाते हुए पाए गए। कृषि अधिनियमोंके विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियोंने केवल 'एनआरसी' और 'सीएए'के मुद्दे उठाए। इन 'सीएए' के उपद्रवियोंने ५२ हिन्दुओंकी हत्या कर दी थी।

**किसानोंके आन्दोलनके बहाने, देश-विदेशके आतङ्की व उपद्रवी अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहते हैं, देशविरोधी दल पुनः अपना शासन स्थापित करना चाहते हैं और घोटालोंके अभावमें मृतप्रायः कांग्रेस तिलमिलाए हुए, भडकानेका कार्यकर किसानोंको लूटनेके अभिप्रायसे, उपद्रवियोंकी सहायता हेतु प्रयत्नशील है। केन्द्र शासन इन उपद्रवोंसे संज्ञान लेकर, देशकी सुरक्षा अन्तर्गत, उचित कार्यवाही करते हुए, उपद्रवियोंको**

## उचित दण्ड दे। (१८.०१.२०२१)

**********

### कांग्रेसने स्वीकारा, मुम्बई पुलिसद्वारा प्रसारित की गई अर्णब गोस्वामीकी व्यक्तिगत वार्ता

कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाणने स्वीकार करते हुए कहा, “मुम्बई पुलिसद्वारा जारी किए गए अर्नब गोस्वामीके 'चैट्स ट्रांस्क्रिप्ट' बहुत उद्विग्न कर रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षासे लेकर संवैधानिक संशोधनों और राजनीतिक नियुक्तियोंतक ऐसी संवेदनशील जानकारीकी 'एक्सेस' किसने दी ? भारत शासनको पूरी जांच करनी चाहिए।

विपक्षी दलोंके नेता जो भी आरोप लगा रहे है, कोई भी आरोप उचित सिद्ध नहीं होता। ये सभी आरोप 'बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक' व 'धारा ३७०'की समाप्ति और स्मृति ईरानीजीकी 'IB' नियुक्तिकी विषयमें 'रिपब्लिक टीवी'के सम्पादक अर्नब गोस्वामीजीको पहले ही कैसे पता चला ?, जबकि वार्ताको ध्यानसे देखनेपर ज्ञात होता है कि ये सब जानकारियां स्वयं प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदीजीद्वारा साङ्केतिक रूपसे सामाजिक अन्तर्जालपर जनताको दे दी गई थी। जैसे, प्रधानमन्त्री मोदीजीने १८ जुलाई २०१७ की सुबह १०:५१ बजे 'ट्वीट' किया और अर्नबजीने इसी दिवस १०:५७ पर पूर्व 'BARC सीईओ'को सूचित किया। इसमें ५ मिनटका अन्तराल है। अब आप इसीसे विरोधी दलोंकी षड्यन्त्रकारी बौद्धिक क्षमताका पता लगा सकते हैं।

मुम्बई पुलिसका अर्नब गोस्वामीकी व्यक्तिगत वार्ताको प्रसारित करनेका मूल कारण उनकी प्रतिष्ठाको धूमिल करना था, जिससे कि विपक्षी दलों और उनकी कठपुतलियोंको अपने

शत्रुकी निन्दा करनेके लिए अधिक 'गोला-बारूद' उपलब्ध हो सके।

**एक सबसे बडी बात जिसे ध्यानमें नहीं लिया जा रहा है, वह यह है कि ऐसी कोई भी परिस्थिति नहीं है, जिसके अनुसार मुम्बई पुलिस एक पत्रकारकी निजी वार्ताको 'लीक' कर सकती है । यह गोपनीयताका एक बडा उल्लङ्घन है, जो दण्डनीय है । केन्द्र शासनको इसमें हस्तक्षेप करते हुए विरोधी दलों और मुम्बई पुलिसपर भी कार्यवाही करनी चाहिए।**

**********

**शिवलिङ्गपर अभद्र 'पोस्ट'के कारण अभिनेत्री सायानी घोषको धर्मनिष्ठ हिन्दुओंने लताडा**

बंगाली चलचित्र अभिनेत्री सायानी घोषको एक पुराने 'हिंदूफोबिक ट्वीट'के लिए आलोचनाका सामना करना पड रहा है। अभिनेत्रीने २०१५ में यह 'ट्वीट' किया था, जो कि शनिवार १६ जनवरीको चर्चित हो गया, जिसके पश्चात लोगोंने उन्हें 'ट्विटर' पर लक्ष्य बनाया।

१८ फरवरी २१०५ को, अभिनेत्रीने एक चित्र 'पोस्ट' किया था, जिसमें एक महिलाको पवित्र हिन्दू प्रतीक शिवलिङ्गके ऊपर 'कण्डोम' डालते हुए दिख रही थी । उन्होंने इस चित्रको कैप्शन दिया 'Gods couldn't have been more useful' (भगवान अब और उपकारी नहीं हो सकते) । बता दें कि हिन्दू संस्कृतिको अपमानित करता उनका ये 'ट्वीट' महाशिवरात्रिके अवसरपर किया गया था, जो

कि उस वर्ष १७ फरवरीको मनाया गया था।

अभिनेत्रीका पुराना 'ट्वीट वायरल' होते ही 'सोशल मीडिया'पर अनेक प्रकारकी प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी। मेघालयके पूर्व राज्यपाल तथागत रॉयने 'ट्वीट' किया, "मिस सायानी घोष, आपने एक शिवलिङ्गपर 'कण्डोम' डाला है, जिसे मेरे सहित सभी हिन्दू पवित्रसे भी पवित्रतम मानते हैं !" उन्होंने कहा कि यह भारतीय दण्ड संहिताकी 'धारा २९५ ए' के अन्तर्गत एक संज्ञेय अपराध है। तथागत रॉयने चेतावनी दी, "अब परिणामके लिए 'तैयार' रहें।"

इसी प्रकार अनेक हिन्दुओंने सायानी घोषको लताड लगाई है। लोगोंके रोष व्यक्त करनेके पश्चात सायानी घोषने क्षमा मांगी।

२०१० से चलचित्र जगतमें कार्य करनेवाली अभिनेत्रीने इस 'हिंदूफोबिक ट्वीट'को 'हैकर'द्वारा किया गया 'ट्वीट' बताकर बचनेका असफल प्रयास किया।

**सभी भाण्ड अभिनेता, अभिनेत्रियां हिन्दू देवी-देवताओंके विरुद्ध अभद्र 'पोस्ट' करते हैं, क्या इन्होंने कभी मुसलमान या ईसाई आदिके विरुद्ध 'पोस्ट' किया है ? यह सब हिन्दुओंकी दुर्बलताका परिचायक है। ऐसे लोगोंको त्वरित ही कठोर दण्ड देना चाहिए।**

**********

**हिन्दू देवी देवताओंको अपमानित करती अली अब्बासकी 'वेब सीरीज' ताण्डवके विरुद्ध मुम्बईमें परिवाद प्रविष्ट**

'अमेजन प्राइम' पर अली अब्बास जफरद्वारा निर्देशित 'वेब

सीरीज' ताण्डव प्रदर्शित की जा रही है । 'हिन्दूफोबिक कंटेंट'को लेकर यह धारिका विवादोंमें हैं । सामाजिक जालस्थलोंपर दर्शकोंद्वारा शृंखलापर सीधा आरोप लगाया जा रहा है कि इसमें भगवान शिव व भगवान श्रीरामका घोर अपमान किया गया है। अनेक बीजेपी राजनेताओंने तो सूचना एवं प्रसारण मन्त्री प्रकाश जावडेकरसे इस पर पूर्णतः प्रतिबन्ध लगानेको भी की है । वहीं भाजपा नेता राम कदमने मुंबई पुलिसमें इसके विरुद्ध परिवाद प्रविष्ट करवाया है तथा धारा २९५ ए 'आईटी एक्ट' धारा ६७ए के अन्तर्गत अभियोग प्रविष्ट किया गया है। राम कदमने बताया की शृंखलाद्वारा हिन्दुओंकी भावनाएं आहत हुई हैं। कहानीका पात्र जीशान अय्यूब भगवान शिवका उपहास करता है तथा वही सैफ अली खान भी इसमें मुख्य भूमिकामें हैं।

'सीरीज'में एक अभिनेत्री यह कहती भी सुनाई देती है कि पुलिसके लिए मुसलमानोंको मारना अत्याधिक सरल है । विधेयक प्रवर्तन अधिकारियोंपर प्रश्न उठाते हुए कहा जाता है कि मुसलमान युवाओंकी हत्याओंको उचित ठहराने हेतु आतंकवादके रूप में प्रस्तुत किया जाता है । अब 'इंडिया ओरिजिनल कंटेंट अमेजन'की प्रमुख अर्पणा पुरोहित, निर्देशक अली अब्बास, निर्माता हिमांशु कृष्ण मेहरा व कथाकार गौरव सोलंकी सहित अन्यों को भी इसमें आरोपी बनाया गया है । वहीं उच्च अधिकारियोंके देखने के पश्चात यह पाया गया कि प्रथम भागमें १७ मिनट में हिन्दू देवी-देवताओंको विद्रूपतासे प्रस्तुत किया गया है और जातिगत विद्वेषवाले वक्तव्य दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि देशकी पुलिस व सुरक्षा बलोंकी छविको लेकर यूपी शासन पूर्वसे कठोर है । ऐसेमें 'वेब सीरीज'

ताण्डवमें सुरक्षाबलोंको मद्यपानकर उपद्रव भडकाते हुए दिखाए जानेपर उनकी छविको मलिन करनेका प्रयास किया गया है और इसे अभिव्यक्तिकी स्वतन्त्रताका नाम दिया गया है, जिस कारण उत्तर प्रदेशके मुख्यमन्त्री आदित्यनाथके 'मीडिया' सलाहकार मृत्युञ्जय कुमारने भी इस पर कठोरतम कार्रवाई करनेके सम्बन्धमें 'ट्वीट' भी किया है।

**समाचार स्पष्ट करता है कि किस प्रकार हिन्दुत्वको कलङ्कित करनेके लिए 'बॉलीवुड'द्वारा निरन्तर क्षीण प्रयास किए जा रहे हैं; परन्तु अब देशका हिन्दू जागरुक हो चुका है और ऐसे प्रकरणोंके विरुद्ध संगठित व मुखर होकर बोल रहा है। यह आनेवाले हिन्दूराष्ट्रकी पूर्व सूचना है।**

**********

**राममन्दिरका निर्माण हेतु राशि अर्पण करनेपर अभिनेता अक्षय कुमारपर क्रोधित हुए मन्दिर विरोधी**

'बॉलीवुड' अभिनेता अक्षय कुमारने अयोध्यामें निर्मित हो रहे राम मन्दिर हेतु दान दिया; साथ ही उन्होंने लोगोंसे इस हेतु दान करनेकी याचना करते हुए लिखा कि वे वानरोंके तथा गिलहरीके समान योगदान दें ! कथित उदारवादियोंको उनकी यह बात अनुपयुक्त लगी। वे त्वरित समाजिक जालस्थानोंपर अक्षयके विरोधमें आ गए।

एक राम विरोधी व्यक्तिने उन्हें पाठशालाओं तथा चिकित्सालयों हेतु चन्दा एकत्रित करनेका परामर्श दे दिया तथा लिखा कि 'कोरोना' कालमें एक भी मन्दिर काम नहीं आया, जबकि सत्य यह है कि उक्त कालमें मन्दिर शासकीय कोषमें दान देनेमें अग्रणी रहे हैं। दूसरेने लिखा कि जब लोगोंको भोजनके लाले पडे हैं; ऐसे समय अक्षयकी यह याचना

अनुचित है । एक अन्य व्यक्ति लिखता है कि इस कनाडियन नागरिककी बातोंमें न आएं ! अपना धन अपने बच्चोंके भविष्यपर व्यय करें, इसका बेटा तो अभिनेता बनेगा ।

एक व्यक्ति तो मन्दिर हेतु अभीतक एकत्र हुए १४०० करोड रुपयोंके व्ययका विवरण पूछने लगा । उसने तो लोगोंको किसानोंको दान देनेका परामर्श भी दे दिया ।

अक्षयने मन्दिर निर्माण हेतु दान देकर अपनी पुत्रीको श्रीरामके सेतु निर्माणमें गिलहरीकी कहानी सुनाई थी । इसपर भी एक 'यूजर'ने पूछा कि गिलहरी कैसे कुछ बोल सकती है ?

**जहां मन्दिरकी बात आए, इन विक्षिप्तोंको विद्यालय आदिपर दान देनेकी बात स्मरण होती है । हां ! यह बात भिन्न है कि मस्जिदोंसे जो धन आतङ्कवाद के उपयोगमें जाता है, उसपर ये मौन रहते हैं । वास्तवमें इनका विरोध धर्मसे है, धन कहां जा रहा है, कहां नहीं ?, इससे इनका लेना-देना नहीं है और दुःखद यह है कि ये सभी हिन्दू ही हैं ! ऐसे जन्म-हिन्दू हिन्दू होनेके नामपर कलंक है और इनका अन्त भी आवश्यक है, तभी एक नूतन पीढीका निर्माण हो पाएगा । (१८.०१.२०२१)**

**********

## वैदिक उपासना पीठद्वारा कुछ आवश्यक सूचनाएं

**१.** वैदिक उपासना पीठद्वारा विजयादशमीसे अर्थात दि. २५/१०/२०२० से ऑनलाइन बालसंस्कारवर्गका शुभारंभ हो चुका है । यह वर्ग प्रत्येक रविवार, त्योहारोंको एवं पाठशालाके अवकाशके दिन प्रातः १० से १०:४५ तक होगा । इस वर्गमें ७ वर्षसे १५ वर्षकी आयुतकके बच्चे सहभागी हो सकते हैं ।

यदि आप अपने बच्चोंको इसमें सम्मिलित करने हेतु इच्छुक हैं तो पञ्जीकरण हेतु कृपया 9717492523, 9999670915 के व्हाट्सऐप्पपर सन्देशद्वारा सम्पर्क करें।

**२.** वैदिक उपासना पीठके लेखनको नियमित पढनेवाले पाठकोंके लिए निःशुल्क ऑनलाइन सत्सङ्ग आरम्भ किया जा चुका है।

**आनेवाले सत्संगका विषय व समय निम्नलिखित है :**

सङ्ख्या सीमित होनेके कारणकृपया अपना पञ्जीकरण यथाशीघ्र कराएं । इस हेतु ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) के व्हाट्सएप्पपर अपना सन्देश भेजें । कृपया पञ्जीकरण हेतु फोन न करें।

**अगले कुछ सत्सङ्गोंकी पूर्व सूचना :**

**अ.** नामजप कब, कहां और कितना करें ? २३ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

**आ.** क्या टैटू करवाना चाहिए ? २७ जनवरी, रात्रि ७.३० बजे

**३.** वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रत्येक दिवस भारतीय समय अनुसार रात्रि नौसे साढे नौ बजे 'ऑनलाइन सामूहिक नामजप'का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें साधना हेतु मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, साथ ही आपको प्रत्येक सप्ताह 'ऑनलाइन सत्सङ्ग'के माध्यमसे वैयक्तिक स्तरपर भी साधनाके उत्तरोतर चरणमें जाने हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा, यदि आप इसका लाभ उठाना चाहते हैं तो आप हमें ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) पर "मुझे सामूहिक नामजप गुटमें जोडें", यह व्हाट्सऐप्प सन्देश भेजें !

**४.** जो भी व्यक्ति वैदिक उपासना पीठके तत्त्वावधानमें अग्निहोत्र सीखना चाहते हैं वे ९९९९६७०९१५ के व्हाट्सऐप्पपर अपना सन्देश इसप्रकार भेजें ,'हमें कृपया अग्निहोत्र गुटमें सम्मिलित करें।'

**५.** कोरोना जैसे संक्रामक रोग एवं भविष्यकी आपातकालकी तीव्रताको ध्यानमें रखते हुए वैदिक उपासना पीठद्वारा संक्षिप्त दैनिक हवन कैसे कर सकते हैं ?, इस विषयमें १५ अगस्तसे एक नूतन उपक्रम आरम्भ किया जा रहा है। इसमें अग्निहोत्र समान इसे सूर्योदय या सूर्यास्तके समय ही करनेकी मर्यादा नहीं होगी, इसे आप एक समय या सप्ताहमें जितनी बार चाहे, कर सकते हैं । यदि आप सीखना चाहते हैं तो ९९९९६७०९१५ पर हमें इस प्रकार सन्देश भेजें, “हम दैनिक हवनकी सरल विधि सीखना चाहते हैं, कृपया हमें यथोचित गुटमें जोडें।”


प्रकाशक : Vedic Upasana Peeth
जालस्थल : www.vedicupasanapeeth.org
ईमेल : upasanawsp@gmail.com
सम्पर्क : + 91 9717492523 / 9999670915